योग्यता-आधारित मूल्यांकन की ओर बदलाव

योग्यता-आधारित मूल्यांकन में परिवर्तन के लिए छात्र और अभिभावक मार्गदर्शिका

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड

भूमिका

भूमिका

प्रिय छात्रगण एवं अभिभावकगण,

नमस्कार एवं सादर अभिवादन।

योग्यता-आधारित प्रश्नों की ओर आपकी मार्गदर्शिका में आपका हार्दिक स्वागत है!

क्या आपने कभी सोचा है कि हम स्कूल में जो कुछ भी पढ़ते हैं, वह क्यों पढ़ते हैं? या इसका हमारे वास्तविक जीवन से क्या संबंध है? खैर, शिक्षा अब एक रोमांचक तरीके से बदल रही है, और यह पुस्तिका आपको इन परिवर्तनों को समझने और उनके लिए तैयार होने में मदद करने हेतु तैयार की गई है।

इस पुस्तिका को योग्यता-आधारित प्रश्नों की ओर बदलाव के लिए एक मित्रवत मार्गदर्शक के रूप में सोचें। चाहे आप एक छात्र हों, जो यह जानना चाहते हों कि ये नए प्रकार के प्रश्न कैसे होंगे, या एक अभिभावक, जो यह समझना चाहते हों कि अपने बच्चे की सहायता कैसे करें - यह पुस्तिका आपकी ज़रूरत के लिए बनाई गई है।

हम समझते हैं कि सीखने और मूल्यांकन में किसी भी प्रकार का बदलाव कभी-कभी थोड़ा चुनौतीपूर्ण लग सकता है। लेकिन यह बदलाव शिक्षा को अधिक अर्थपूर्ण और व्यावहारिक बनाने के लिए है। यह केवल तथ्यों को याद रखने के बजाय आपको ऐसे कौशल विकसित करने का अवसर देता है, जो न केवल परीक्षा में बल्कि आपके जीवन में भी आपकी सफलता के लिए सहायक होंगे।

यह पुस्तिका आपके इस सफर में आपकी साथी है। यह आपको यह समझने में मदद मिलेगी कि योग्यता-आधारित प्रश्न क्या हैं, क्यों महत्वपूर्ण हैं, और उनके लिए तैयारी कैसे करें। सबसे महत्वपूर्ण बात, यह दिखाएगा कि ये बदलाव न तो डरने की चीज़ हैं और न ही कठिनाई का कारण - बल्कि ये सीखने के नए और रोचक अवसर हैं!

याद रखें, आप इस सफर में अकेले नहीं हैं। आपके शिक्षक, अभिभावक और पूरी शिक्षा प्रणाली आपको सफल होने में मदद करने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं। आइए हम मिलकर इस बदलाव को अपनाएं और जानें कि यह कैसे सीखने को अधिक रोचक और सार्थक बना सकते हैं।

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड

विषय सूची

भूमिका 1

- **इस मार्गदर्शिका का उपयोग कैसे करें?** 5
- **योग्यता-आधारित मूल्यांकन की ओर बढ़ने की आवश्यकता** 6
    - वैसे परीक्षा क्यों होती हैं? 6
    - क्या सभी प्रश्न अच्छे होते हैं, या कुछ विशेषताएँ उन्हें दूसरे प्रश्नों से बेहतर बनाती हैं? ऐसे अच्छे प्रश्न क्या भूमिका निभाते हैं? 6
    - रटकर पढ़ना सबसे अच्छा तरीका क्यों नहीं है 13
    - परीक्षाओं में क्या बदल रहा है? यह समझना कि NEP 2020 क्या कहती है। 14
    - लेकिन इन मूल्यांकनों में बदलाव क्यों महत्वपूर्ण है? 16
    - आपके लिए इसका क्या मतलब है? 17
- **योग्यता-आधारित प्रश्नों को समझना** 18
    - योग्यता-आधारित प्रश्न कैसे दिखेंगे? 18
    - योग्यता-आधारित प्रश्न अन्य प्रश्नों से कैसे अलग हैं और क्या वे सभी मौजूदा प्रश्नों को बदल देंगे? 22
- **योग्यता-आधारित प्रश्नों के लिए कैसे तैयारी करें और तैयार रहें: छात्रों के लिए एक व्यावहारिक मार्गदर्शिका** 24
    - योग्यता-आधारित प्रश्नों के बारे में हमने क्या समझा और आपको इनसे क्यों नहीं डरना चाहिए 24
    - योग्यता-आधारित प्रश्नों की तैयारी में आपकी मदद करने वाले व्यावहारिक सुझाव 26
    - परीक्षा की घबराहट से कैसे निपटें 27
    - अभ्यास के अवसरों का अधिकतम उपयोग करना 28
    - याद रखें: आप यह कर सकते हैं! 29
- **योग्यता-आधारित प्रश्नों को समझना: अभिभावकों के लिए एक मार्गदर्शिका** 30
    - आपकी सामान्य चिंताएँ 31
    - आप अपने बच्चे का समर्थन कैसे कर सकते हैं 32
    - शिक्षकों के साथ सहयोग 33
    - बड़ा दृष्टिकोण 33
- **योग्यता-आधारित मूल्यांकनों के साथ आगे बढ़ना: छात्रों के लिए एक संदेश** 35
- **योग्यता-आधारित मूल्यांकनों के साथ आगे बढ़ना: अभिभावकों के लिए एक संदेश** 36

इस मार्गदर्शिका का उपयोग कैसे करें?

यह पुस्तिका योग्यता-आधारित प्रश्नों को समझने और उनकी तैयारी के लिए आपके अनुकूल मार्गदर्शक के रूप में तैयार की गई है। यहाँ इसे अधिकतम उपयोगी बनाने के कुछ तरीके दिए गए हैं:

1. बुनियादी बातों को समझने से शुरुआत करें

सबसे पहले "योग्यता-आधारित मूल्यांकन की ओर बढ़ने की आवश्यकता" पढ़ें। यह खंड समझाता है कि ये बदलाव क्यों हो रहे हैं और ये आपके लिए कैसे फायदेमंद होंगे। इसे उस नींव की तरह समझें, जिस पर घर खड़ा होता है - एक बार जब आप इसे समझ लेंगे, तो बाकी चीज़ें भी आसानी से समझ में आने लगेंगी!

2. नए प्रश्नों से परिचित हों

"योग्यता-आधारित प्रश्नों को समझना" खंड आपको यह दिखाएगा कि ये प्रश्न कैसे दिखते हैं और पारंपरिक प्रश्नों से कैसे अलग हैं। इसमें कई उदाहरण दिए गए हैं, जो चीज़ों को स्पष्ट करने में मदद करेंगे।

3. तैयारी कैसे करें, इसे जानें

व्यावहारिक सुझावों और रणनीतियों के लिए "योग्यता-आधारित प्रश्नों की तैयारी और उनके लिए तैयार कैसे रहें" खंड देखें। यह खंड उपयोगी सलाहों से भरा है जिनका उपयोग छात्र और अभिभावक दोनों कर सकते हैं।

4. अभिभावकों के लिए विशेष खंड

अभिभावकगण, आपको "योग्यता-आधारित प्रश्नों को समझना: अभिभावकों के लिए एक मार्गदर्शिका" में विशिष्ट सुझाव मिलेगा। यह खंड आपको यह समझने में मदद करता है कि इस बदलाव के दौरान अपने बच्चे का सहयोग कैसे करें।

इस मार्गदर्शिका का उपयोग करने के लिए सुझाव:

- सब कुछ एक बार में पढ़ने की कोशिश न करें! अपना समय लें और एक समय में एक खंड पर ध्यान दें।
- उदाहरणों पर विशेष ध्यान दें - ये आपको स्पष्ट रूप से दिखाते हैं कि क्या अपेक्षित है।
- जब आपको मार्गदर्शन की आवश्यकता हो तो, प्रासंगिक खंडों पर वापस आएँ।
- जो कुछ आपने सीखा है, उसे अपने सहपाठियों और परिवार के साथ साझा करें और चर्चा करें।
- व्यावहारिक सुझावों का उपयोग करें और उन्हें अपनी दैनिक पढ़ाई में लागू करना शुरू करें।

यह पुस्तिका इस बदलाव को कम डरावना और अधिक प्रबंधनीय बनाने के लिए बनाई गई है। चाहे आप छात्र हों या अभिभावक, जब भी मार्गदर्शन या आश्वासन की आवश्यकता हो, आप इसे हमेशा देख सकते हैं।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि सकारात्मक बने रहें और याद रखें कि ये बदलाव सीखने को और अधिक अर्थपूर्ण और उपयोगी बनाने के लिए तैयार किए गए हैं। आइए, इस यात्रा को साथ मिलकर तय करें!

योग्यता-आधारित मूल्यांकन की ओर बढ़ने की आवश्यकता

वैसे परीक्षा क्यों होती हैं?

परीक्षा को उस GPS की तरह समझें, जो आपकी सीखने की यात्रा में यह जानने में मदद करती है कि आप कहाँ हैं। जैसे मैप का उपयोग करते समय आपका फोन आपको बताता है कि आप सही दिशा में जा रहे हैं या नहीं, या अगर आपने गलत मोड़ लिया है और अब आपको सही रास्ते पर लौटने की ज़रूरत है - उसी तरह, परीक्षा आपको यह जानने में मदद करती है कि आपने क्या अच्छी तरह से समझा है और किन क्षेत्रों पर अधिक काम करने की आवश्यकता है। वे केवल अंक प्राप्त करने के लिए नहीं होती, बल्कि ये बेहतर सीखने में मदद करने वाले उपकरण हैं!

क्या सभी प्रश्न अच्छे होते हैं, या कुछ विशेषताएँ उन्हें दूसरे प्रश्नों से बेहतर बनाती हैं? ऐसे अच्छे प्रश्न क्या भूमिका निभाते हैं?

प्रश्न किसी भी अच्छे मूल्यांकन के केंद्र में होते हैं, और प्रश्नों की गुणवत्ता यह तय करती है कि हम यह कितना बेहतर समझ सकते हैं कि छात्र क्या कर सकते हैं और क्या नहीं। कुछ प्रश्न ऐसे होते हैं जो छात्रों के बारे में जानकारी देने में दूसरों की तुलना में अधिक प्रभावी और प्रामाणिक होते हैं। एक अच्छा प्रश्न वह है, जो छात्र को गहराई से सोचने और सीखी गई अवधारणाओं को लागू करने के लिए प्रेरित करता है। सही तरीके से तैयार किया गया एक अच्छा प्रश्न न केवल छात्र की सोच प्रक्रिया को समझने में मदद करता है, बल्कि यह भी बताता है कि किस अवधारणा को छात्र ने कितनी अच्छी तरह आत्मसात किया है या किस कौशल में महारत हासिल की है।

ऐसे अच्छे प्रश्न निम्न कारणों से बहुत महत्वपूर्ण होते हैं:

1. अच्छे प्रश्न आपको अलग तरीके से सोचने पर मजबूर करते हैं।

आइए निम्नलिखित दो उदाहरणों पर विचार करें:

5 का 44% कितना है?

बनाम

विवेक की आय का 10% अज़हर की आय के 30% के बराबर है। हम उनकी आय के बारे में क्या कह सकते हैं?

ये दोनों प्रश्न प्रतिशत की अवधारणा से संबंधित हैं। मुख्य अंतर यह है कि पहला प्रश्न केवल यह जाँचता है कि क्या छात्र दिए गए मान का प्रतिशत निकालना जानते हैं और इसे गणना कर सकते हैं, जबकि दूसरा प्रश्न यह जाँचता है कि क्या छात्र 'समझते' हैं कि प्रतिशत का क्या मतलब है और प्रतिशत का मान उस मूल्य पर कैसे निर्भर करता है, जिससे प्रतिशत की गणना की जाती है। पहले प्रश्न में कोई समस्या नहीं है, लेकिन यह केवल यह जाँच सकता है कि छात्र गणना की प्रक्रिया को प्रदर्शित कर सकते हैं या नहीं। या तो छात्र इसे जानते हैं या नहीं। दूसरी ओर, दूसरा प्रश्न छात्रों के सोचने और सीखने के तरीके को प्रभावित कर सकता है। भले ही छात्र उत्तर न जानते हों, यह सोचने को प्रेरित कर सकता है और विचारों की एक श्रृंखला को जन्म दे सकता है, जिससे छात्र विभिन्न मानों, विभिन्न प्रतिशतों को आज़मा सकते हैं और प्रक्रिया के दौरान इस अवधारणा को गहराई से समझ सकते हैं।

यहाँ दो और प्रश्न दिए गए हैं।

परावर्तन के नियम बताइए?

बनाम

परावर्तन का नियम कहता है कि आपतित प्रकाश किरण द्वारा सतह के लंबवत (उस बिंदु पर जहाँ किरण सतह को छूती है) बनाए गए कोण के बराबर ही परावर्तित किरण द्वारा लंबवत के साथ बनाया गया कोण होता है। इस प्रकार, आपतन कोण परावर्तन कोण के बराबर होता है। निम्नलिखित मामलों में से किसमें परावर्तन का नियम सही तरीके से दर्शाया गया है? अपने उत्तर को उचित ठहराएँ।

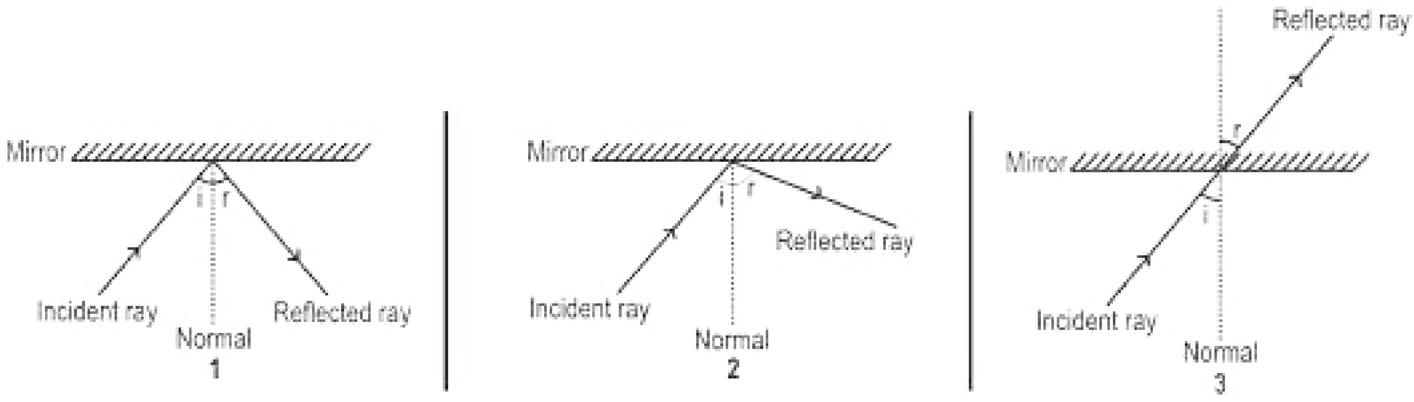

दोनों प्रश्न परावर्तन के नियम की अवधारणा से संबंधित हैं। मुख्य अंतर यह है कि पहला प्रश्न केवल यह जाँचता है कि क्या छात्र परावर्तन के नियम जानते हैं, जबकि दूसरा प्रश्न यह जाँचता है कि क्या छात्र परावर्तन के नियम की समझ का उपयोग करके उसके सही प्रदर्शन की पहचान कर सकते हैं। दोनों प्रश्न सही हैं और मूल्यांकन में उपयोग किए जा सकते हैं। पहला प्रश्न छात्रों के ज्ञान के बारे में जानकारी प्रदान कर सकता है, जबकि दूसरा प्रश्न छात्रों को यह सोचने पर मजबूर कर सकता है कि दिए गए प्रदर्शन में परावर्तन का नियम सही तरीके से दर्शाया गया है या नहीं। दूसरा प्रश्न परावर्तन के नियम के ज्ञान पर निर्भर नहीं करता, बल्कि प्रश्न में ही नियम को स्पष्ट रूप से बताता है। इस प्रकार का प्रश्न वास्तव में परावर्तन के काम करने के तरीके की अवधारणा को बेहतर तरीके से आत्मसात करने में मदद कर सकता है।

2. अच्छे प्रश्न यह जाँचते हैं कि क्या आपने वास्तव में समझा है।

आइए निम्नलिखित दो उदाहरणों पर विचार करें:

साबित करें कि √3 एक अपरिमेय संख्या है।

बनाम

निम्नलिखित आरेखों में से कौन-सा चित्र पूर्णांक (Z), परिमेय संख्याओं (R), और अपरिमेय संख्याओं (I) का सही चित्र संबंधी निरूपण है?

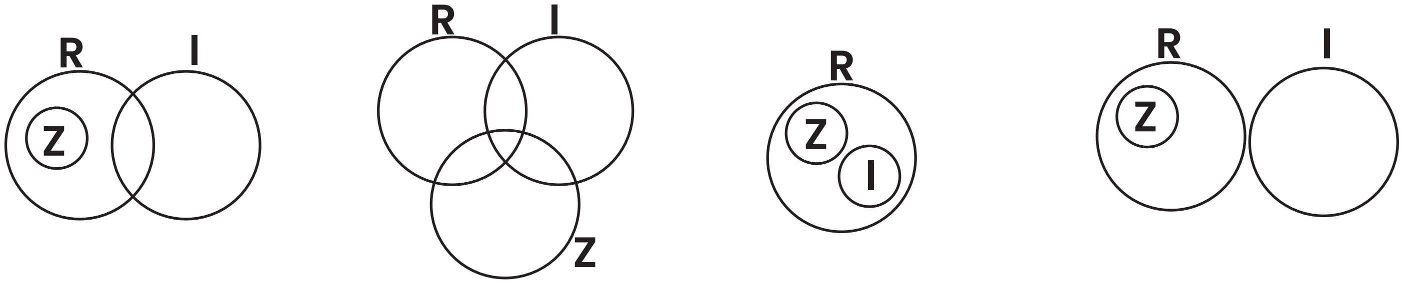

दोनों प्रश्न परिमेय और अपरिमेय संख्याओं की अवधारणा से संबंधित हैं। पहला प्रश्न छात्रों से यह प्रमाणित करने की माँग करता है कि √3 एक अपरिमेय संख्या है। यह एक सामान्य प्रमाण है जिसे वे पढ़ते हैं और पाठ्यपुस्तकों में इस पर विशेष जोर दिया गया है। दूसरा प्रश्न छात्रों से यह समझने की अपेक्षा करता है कि तीन संख्याओं के समूह - पूर्णांक, परिमेय संख्याओं, और अपरिमेय संख्याओं - का क्या अर्थ है और वे एक-दूसरे से कैसे संबंधित हैं। जहाँ छात्र पहले प्रश्न का सही उत्तर केवल प्रमाण के याद किए गए चरणों को दोहराकर दे सकते हैं, वहीं दूसरा प्रश्न तब तक हल नहीं किया जा सकता जब तक कि छात्रों को तीनों समूहों की गहरी समझ न हो। केवल दूसरा प्रश्न जैसे अच्छे प्रश्न ही यह भेद कर सकते हैं कि क्या छात्रों ने वास्तव में अवधारणा को समझा है या केवल रट लिया है।

Which of the following is the meaning of the phrase 'call it a day'?

A. make a schedule
B. stop working on something
C. invite people to a public event
D. inform someone about your arrival

vs

Read the sentence given below.

I have tried everything to fix this broken pipe but have not been able to. I am going to ____________________ !

Which of the following correctly completes the above sentence?

A. bite the bullet
B. break a leg
C. call it a day
D. cut corners

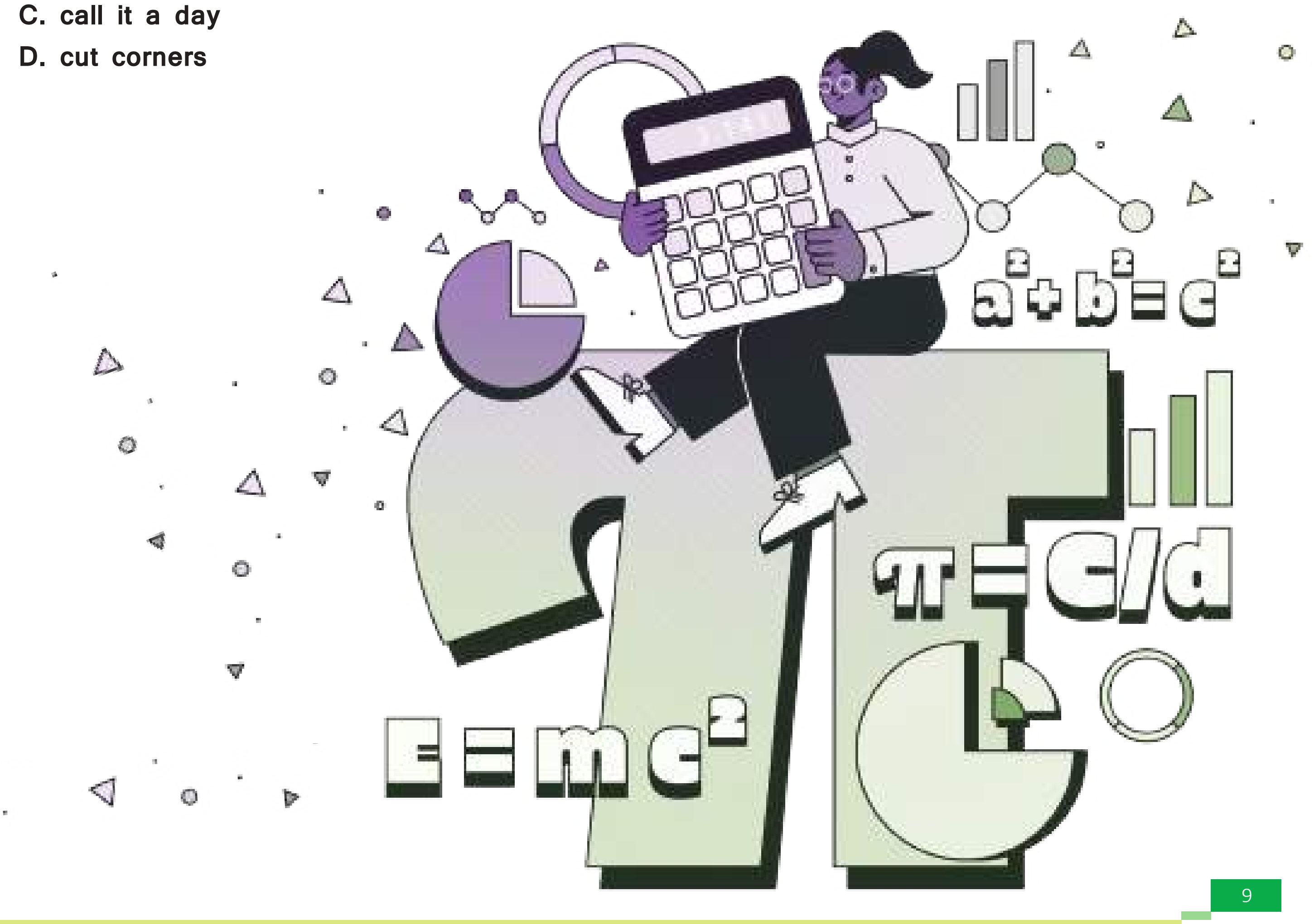

ये दोनों प्रश्न 'call it a day' वाक्यांश के अर्थ से संबंधित हैं। पहला प्रश्न छात्रों से वाक्यांश का सही अर्थ पहचानने की मांग करता है। छात्र या तो इसे जानते होंगे या नहीं जानते होंगे। दूसरा प्रश्न छात्रों से उस सही वाक्यांश को पहचानने की मांग करता है जिसे दिए गए संदर्भ में उपयोग किया जा सकता है। केवल तभी जब छात्रों को प्रत्येक वाक्यांश का अर्थ और इसे संदर्भ में कैसे उपयोग किया जाता है, यह पता हो, वे इस प्रश्न का सही उत्तर दे पाएंगे। इसलिए, जबकि कुछ छात्र पहला प्रश्न सही कर सकते हैं, यदि वे वाक्यांश का वास्तविक अर्थ और इसे संदर्भ में उपयोग करने का तरीका नहीं जानते, तो वे दूसरा प्रश्न सही करने में सक्षम नहीं होंगे।

3. अच्छे प्रश्न सामान्य गलतियों को पहचानने में मदद करते हैं।

आइए कुछ ऐसे उदाहरणों पर विचार करें, जहाँ प्रश्न यह पहचानने में मदद कर सकते हैं कि क्या आप वही सामान्य गलती कर रहे हैं, जो कई अन्य छात्र भी करते हैं। पहले प्रश्न का उत्तर देने का प्रयास करें और उसके बाद नीचे दिए गए स्पष्टीकरण को पढ़ें।

रानी हैदराबाद में रहती है। वह एक बैंक में खाता खोलना चाहती है। निम्नलिखित में से किस बैंक में वह खाता नहीं खोल पाएगी?

A. ICICI बैंक

B. बैंक ऑफ बड़ौदा

C. भारतीय रिज़र्व बैंक

D. स्टेट बैंक ऑफ हैदराबाद

क्या आपका उत्तर C था?

यदि हाँ, तो आप भी वही सामान्य गलती कर रहे हैं, जो 15 वर्ष के आधे से अधिक छात्र करते हैं। इस प्रश्न का सही उत्तर विकल्प B है। छात्रों के बीच यह गलत धारणा हो सकती है कि जिन बैंकों के नाम में किसी स्थान या राज्य का नाम होता है, वे केवल उसी स्थान के लोगों द्वारा उपयोग किए जा सकते हैं। उदाहरण के लिए, इस मामले में वे सोच सकते हैं कि चूंकि रानी हैदराबाद में रहती है, इसलिए वह बैंक ऑफ बड़ौदा की सेवाओं का उपयोग नहीं कर पाएगी। वे यह नहीं समझते कि भारतीय रिज़र्व बैंक एक नियामक निकाय है और अन्य बैंकों की तरह सेवाएँ प्रदान नहीं करता। इसलिए, रानी भारतीय रिज़र्व बैंक में खाता नहीं खोल पाएगी। अच्छे बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs) में गलत विकल्प होते हैं, जो छात्रों द्वारा की जाने वाली ऐसी सामान्य गलतियों/भ्रांतियों की जाँच करते हैं।

आइए अब एक और प्रश्न पर विचार करें।

बर्फ का घनत्व पानी की तुलना में कम होता है। मनु के पास एक बोतल है, जिसमें बर्फ के रूप में जमा हुआ पानी है, जैसा कि यहाँ दिखाया गया है। फिर उसने बोतल में कुछ पानी डाला। पानी का स्तर चित्र में दिखाए अनुसार है। जब सारी बर्फ पिघल जाएगी, तो पानी का स्तर क्या होगा?

A. यह बढ़ जाएगा।

B. यह घट जाएगा।

C. यह समान स्तर पर रहेगा।

D. बिना यह जाने कि कितना पानी डाला गया था, हम कुछ नहीं कह सकते।

क्या आपका उत्तर A था?

यदि हाँ, तो आप भी वही सामान्य गलती कर रहे हैं, जो लगभग आधे 15 वर्ष के छात्र करते हैं। इस प्रश्न का सही उत्तर विकल्प B है। यदि छात्र इसे समझते हैं कि बर्फ का घनत्व पानी के घनत्व से अधिक होता है और इसलिए जब यह पिघलती है तो कम जगह घेरती है। यदि छात्रों को यह समझ में आता है कि बर्फ का घनत्व पानी की तुलना में कम होता है, तो वे यह जान पाएँगे कि जब बर्फ पिघलती है, तो वह उतना ही स्थान घेरती है, जितना वह पहले पानी में विस्थापित करती थी। हालाँकि, छात्र यह नहीं समझते और सोचते हैं कि ठोस पदार्थ तरल पदार्थों की तुलना में कम घने होते हैं और जब बर्फ पिघलती है, तो उत्पन्न तरल अधिक जगह घेरता है, जिससे बोतल में पानी का स्तर बढ़ जाता है।

प्रश्न विशेष उपकरण होते हैं जो यह दिखाने में मदद करते हैं कि आप वास्तव में क्या जानते और समझते हैं। यह ऐसा है जैसे कोई आपसे सभी सुपरहीरोज़ के नाम पूछे (जो केवल स्मरण है) बनाम पूछे कि किसी विशिष्ट समस्या को हल करने के लिए कौन-सा सुपरहीरो सबसे अच्छा होगा (जो सुपरहीरोज़ और उनकी क्षमताओं के बारे में वास्तविक समझ की आवश्यकता रखता है)।

अच्छे प्रश्नों को आप मानसिक व्यायाम उपकरण के रूप में सोच सकते हैं - ये आपके मस्तिष्क को अलग-अलग तरीकों से सक्रिय करते हैं। जैसे:

आपको यह गहराई से सोचने पर मजबूर करते हैं कि आपने क्या सीखा है

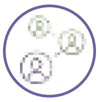

विभिन्न विचारों को जोड़ने में मदद करते हैं

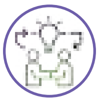

यह दिखाते हैं कि आप अपने ज्ञान का नए संदर्भों में कितनी अच्छी तरह उपयोग कर सकते हैं

आपके शिक्षकों को यह समझने में मदद करते हैं कि आप कैसे सोचते हैं

रटकर पढ़ना सबसे अच्छा तरीका क्यों नहीं है

क्या आपने कभी परीक्षाओं के लिए तथ्यों, सूत्रों और परिभाषाओं को याद करने की कोशिश की है? कई छात्र करते हैं। जबकि कुछ मामलों में याद करना ज़रूरी होता है (जैसे गुणा तालिकाएँ याद रखना), केवल बिना समझे रट लेना बिल्कुल मददगार नहीं होता। इसे रटकर पढ़ना (rote learning) कहते हैं। रटकर पढ़ना उस जानकारी को बार-बार दोहराने से संबंधित है, जिसमें उसका अर्थ या संदर्भ समझे बिना उसे याद किया जाता है। यह ऐसा है जैसे आप केक बनाने की विधि को रट लें लेकिन यह न समझें कि हर कदम का क्या महत्व है। लेकिन अगर आप यह समझते हैं कि सामग्री कैसे आपस में मिलकर काम करती हैं, तो आप अपनी खुद की रेसिपी भी बना सकते हैं!

रटकर पढ़ना सबसे अच्छा तरीका नहीं है। कल्पना करें कि आपने प्रतिशत निकालने का सूत्र रट लिया है लेकिन यह नहीं समझा कि यह कैसे काम करता है। जब आप किसी सेल के दौरान 25% छूट वाले उत्पाद की अंतिम कीमत निकालना चाहें, तो आप उलझ सकते हैं, क्योंकि यह स्थिति उन सवालों से अलग दिखती है जिन्हें आपने पहले रटकर याद किया था।

यही कारण है कि हमारी शिक्षा प्रणाली में बदलाव हो रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 चाहती है कि स्कूल इस बात पर अधिक ध्यान दें कि आप अवधारणाओं को गहराई से समझें, न कि केवल रटकर याद करें। इसका उद्देश्य आपको वास्तविक जीवन के लिए तैयार करना है, जहाँ आपको ऐसी समस्याओं को हल करने की आवश्यकता होगी जो आपकी पाठ्यपुस्तक में दिए गए उदाहरणों से बिल्कुल मेल नहीं खाती हों। चाहे वह पैसे का प्रबंधन करना हो, एक यूट्यूब चैनल शुरू करना हो, या भविष्य में किसी नौकरी पर काम करना हो - आपको सिर्फ तथ्यों को याद रखने से आगे बढ़कर रचनात्मक रूप से सोचने, समस्याओं को हल करने और नए विचार लाने जैसे कौशलों की ज़रूरत होगी।

परीक्षाओं में क्या बदल रहा है?
यह समझना कि NEP 2020 क्या कहती है।

आपने शायद राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के बारे में सुना होगा और यह कैसे हमारे सीखने और परीक्षा देने के तरीके को बदल रही है। आइए समझते हैं कि यह आपके लिए क्या मायने रखता है!

इसमें बड़ी बात क्या है?

इसे भारत की शिक्षा प्रणाली में एक बड़े प्रमुख अद्यतन की तरह सोचें - जैसे आपके पसंदीदा खेल में कोई बड़ा प्रमुख अद्यतन जो इसे और बेहतर बना देता है! NEP का उद्देश्य हमारे सीखने और मूल्यांकन के तरीकों को बदलना है, ताकि यह आपके भविष्य के लिए अधिक उपयोगी हो। NEP में अधिक सार्थक, योग्यता-आधारित मूल्यांकन की बात की गई है, जो छात्रों को बेहतर भविष्य के लिए तैयार करेगा। यहाँ मुख्य बदलाव हैं:

1. अब सिर्फ याद नहीं करना!
क्या आपने कभी परीक्षा से एक रात पहले परिभाषाएँ रटी हैं और अगले ही सप्ताह उन्हें भूल गए? NEP इसे रोकना चाहती है! चीजों को रटने के बजाय, नए परीक्षा प्रश्न यह जांचेंगे कि आप वास्तव में अवधारणा को समझते हैं और उसे वास्तविक जीवन की समस्याओं को हल करने में उपयोग कर सकते हैं या नहीं।

उदाहरण के लिए, "प्रकाश संश्लेषण क्या है?" पूछने के बजाय, आपसे यह पूछा जा सकता है, "छायादार क्षेत्रों के पौधों की पत्तियाँ धूप वाले क्षेत्रों के पौधों की पत्तियों की तुलना में बड़ी क्यों होती हैं?" यह जाँच करता है कि क्या आप वास्तव में समझते हैं कि प्रकाश संश्लेषण वास्तविक दुनिया को कैसे प्रभावित करता है!

2. आप क्या कर सकते हैं, यह जाँचना, न कि सिर्फ आप क्या जानते हैं

नई मूल्यांकन प्रणाली आपके कौशल की भी जाँच करेगी, जैसे:

- **आप नई समस्याओं को कैसे हल कर सकते हैं**
- **आप नई स्थितियों के बारे में कैसे सोच सकते हैं**
- **आपने जो सीखा है उसे विभिन्न तरीकों से कैसे लागू कर सकते हैं**

यह वीडियो गेम खेलने जैसा है - आपको बुनियादी नियंत्रण (अवधारणाओं) को समझना होगा, लेकिन फिर उन कौशलों का उपयोग करके नई चुनौतियों और स्तरों का सामना करना होगा (वास्तविक जीवन की समस्याएँ)।

3. परीक्षाओं को कम तनावपूर्ण बनाना

क्या आप किसी ऐसे व्यक्ति को जानते हैं जो बोर्ड परीक्षाओं को लेकर बहुत तनावग्रस्त महसूस करता हो? NEP इसे अगले कुछ वर्षों में ठीक करना चाहती है। यहाँ इसका तरीका है:

- **सिर्फ एक बड़ी परीक्षा जो सब कुछ तय करती है, के बजाय, पूरे वर्ष में कई छोटे-छोटे मूल्यांकन होंगे।**
- **ये नियमित मूल्यांकन आपको यह समझने में मदद करेंगे कि आप कैसा कर रहे हैं और आपको कहाँ सुधार करने की आवश्यकता है।**
- **आपकी रिपोर्ट कार्ड में केवल अंक ही नहीं होंगे, बल्कि यह भी दिखाया जाएगा कि आप किन कौशलों में अच्छे हैं, जैसे समस्या-समाधान, रचनात्मकता, या टीमवर्क।**
- **कक्षा 3, 5 और 8 में प्रगति की जाँच के लिए विशेष स्कूल परीक्षाएँ होंगी।**

इनमें से कुछ बदलाव लागू होने में समय लग सकता है, लेकिन उद्देश्य परीक्षाओं के अनुभव को छात्रों के लिए कम तनावपूर्ण बनाना है।

लेकिन इन मूल्यांकनों में बदलाव क्यों महत्वपूर्ण है?

दुनिया बहुत तेज़ी से बदल रही है! आपके माता-पिता के समय में मौजूद कई नौकरियाँ अब खत्म हो चुकी हैं, और उनकी जगह नई नौकरियाँ आ गई हैं। उदाहरण के लिए:

बैंक टेलर की जगह अब एटीएम और बैंकिंग ऐप्स ने ले ली है।

फैक्ट्री कर्मचारियों को रोबोट्स द्वारा बदल दिया गया है।

ऐप डेवलपर और डेटा एनालिस्ट जैसे नए रोजगार सामने आए हैं।

आने वाली नौकरियों और भविष्य की नौकरियों के लिए ज़रूरी कौशल पहले से काफी अलग हैं। आपको आवश्यकता होगी:

नई परिस्थितियों में अवधारणाओं को समझने और लागू करने की।

समस्याओं को रचनात्मक तरीके से हल करने की।

तकनीक के साथ कुशलता से काम करने की।

नए बदलावों के साथ खुद को ढालने की।

ये नए प्रकार के परीक्षा प्रश्न आपको इन ज़रूरी कौशलों को विकसित करने में मदद करेंगे। ये सिर्फ अच्छे अंक लाने के बारे में नहीं हैं - बल्कि यह आपको वास्तविक जीवन और भविष्य के करियर के लिए तैयार करने के बारे में हैं!

आपके लिए इसका क्या मतलब है?

ये सभी बदलाव आपकी सहायता के लिए डिज़ाइन किए गए हैं ताकि आप

जो भी सीख रहे हैं उसे गहराई से समझें (सिर्फ याद न करें)

ऐसे कौशल विकसित करें जो वास्तविक जीवन में आपकी मदद करेंगे

भविष्य की नौकरियों और चुनौतियों के लिए बेहतर तैयारी कर सकें

परीक्षाओं को लेकर कम तनाव महसूस करें

सबसे अच्छी बात? इन बदलावों का मतलब है कि आपकी शिक्षा अधिक रोचक और उपयोगी हो जाएगी। अब आप केवल परीक्षाओं के लिए पढ़ाई नहीं करेंगे, बल्कि ऐसी चीज़ें सीखेंगे जिन्हें आप वास्तविक जीवन में इस्तेमाल कर सकते हैं - चाहे वह नई बातें जानना हो, यह समझना कि चीज़ें कैसे काम करती हैं, या वास्तविक दुनिया की समस्याओं को हल करना।

याद रखें: ये बदलाव चीज़ों को कठिन बनाने के लिए नहीं हो रहे हैं! ये बदलाव आपकी पढ़ाई को अधिक सार्थक बनाने और आपके भविष्य के लिए बेहतर तरीके से तैयार करने के लिए किए जा रहे हैं।

योग्यता-आधारित प्रश्नों को समझना

आपने योग्यता-आधारित प्रश्नों के बारे में सुना होगा। लेकिन ये होते क्या हैं? क्या ये आज पूछे जाने वाले प्रश्नों से अलग होंगे? क्या इनका सही उत्तर देने के लिए आपको कुछ अलग तरीके से तैयारी करनी होगी? चिंता मत कीजिए— आप अकेले नहीं हैं! ये प्रश्न कई छात्रों के मन में हो सकते हैं।

आइए इन योग्यता-आधारित प्रश्नों को समझते हैं, इनके बारे में और गहराई से जानते हैं और यह सीखते हैं कि इन्हें कैसे हल किया जाए।

योग्यता-आधारित प्रश्न कैसे दिखेंगे?

योग्यता-आधारित प्रश्नों की ओर बदलाव का अर्थ होगा ऐसे प्रश्नों को शामिल करना जो:

1. आपकी समझ की परीक्षा लें

परिभाषाएँ या तथ्य दोहराने के बजाय, ये प्रश्न आपको अवधारणाओं को लागू करने के लिए कहेंगे। उदाहरण के लिए, यहाँ दो प्रश्न दिए गए हैं। पहला प्रश्न यह जाँचता है कि क्या आप वायवीय और अवायवीय श्वसन के बीच का अंतर जानते हैं और उन जीवों के नाम याद कर सकते हैं जो इनमें से किसी एक तरीके का उपयोग करते हैं। दूसरा प्रश्न यह जाँचता है कि क्या छात्र श्वसन की समझ का उपयोग कर सकते यह सकते हैं जो गैसीय विनिमय (सेलों और रक्त के बीच कार्बन डाइऑक्साइड और ऑक्सीजन का विनिमय) होता है, यह शरीर के सभी भागों में होता है। योग्यता-आधारित मूल्यांकन की ओर बदलाव का अर्थ होगा दूसरे प्रकार के प्रश्नों का एक अच्छा वर्णन।

वायवीय और अवायवीय श्वसन के बीच क्या अंतर है? उन कुछ जीवों के नाम बताइए जो अवायवीय श्वसन का उपयोग करते हैं।

बनाम

नीचे मानव शरीर में हो रही एक प्रक्रिया का एक चित्रात्मक प्रस्तुतीकरण दिया गया है। यह किन क्षेत्रों/अंगों में हो सकती है?

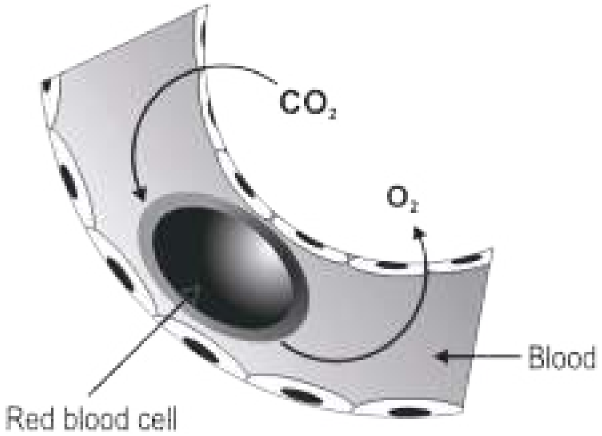

1. फेफड़े

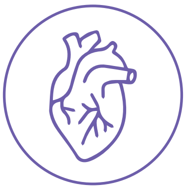

2. हृदय

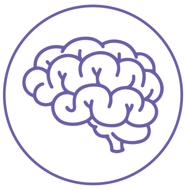

3. मस्तिष्क

A. केवल 1

B. केवल 2

C. केवल 2 और 3

D. सभी - 1, 2 और 3

(प्रथम प्रश्न का स्रोत: एनसीईआरटी कक्षा 10
विज्ञान पाठ्यपुस्तक द्वितीय प्रश्न का स्रोत: ईआई एसेट)

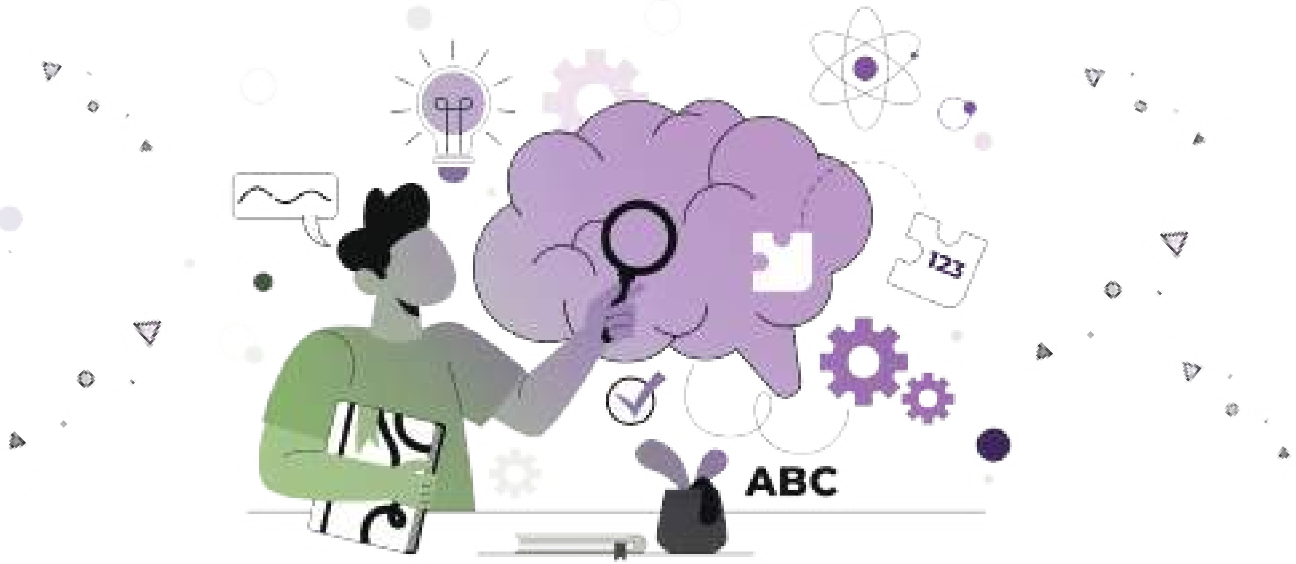

2. एक ही अवधारणा को अलग-अलग तरीकों से पूछना

प्रश्न ऐसे स्वरूप में आ सकते हैं जो आपने पहले नहीं देखे हों। चिंता न करें—यदि आप अवधारणा को समझते हैं, तो आप उन्हें हल कर सकते हैं! उदाहरण के लिए, यहाँ लोकतंत्र की अवधारणा पर दो प्रश्न दिए गए हैं। पहला प्रश्न साधारण है, और कई छात्र इसे लोकतंत्र का सही अर्थ समझे बिना ही उत्तर दे सकते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि यह एक सामान्य प्रश्न है और छात्रों को पता होता है कि अंक प्राप्त करने के लिए क्या लिखना है। दूसरा प्रश्न, हालाँकि थोड़ा अलग दिखाई देता है, यह जाँचता है कि क्या छात्र शासन के विभिन्न स्वरूपों का अर्थ समझते हैं और दिए गए संदर्भ में सबसे उपयुक्त स्वरूप की पहचान कर सकते हैं। भले ही छात्रों ने राजनीतिक प्रणाली के बारे में पहले न सुना हो, यदि वे शासन के अर्थ को समझते हैं, तो वे इसका उत्तर देने में सक्षम होंगे। योग्यता-आधारित मूल्यांकन की ओर बदलाव का अर्थ होगा दूसरे प्रकार के प्रश्नों का अच्छा वर्णन।

"लोकतंत्र अन्य किसी भी वैकल्पिक शासन प्रणाली की तुलना में एक बेहतर शासन प्रणाली है।" इस कथन का विश्लेषण करें।

बनाम

स्विट्ज़रलैंड की राजनीतिक प्रणाली में, नागरिकों को राजनीतिक प्रतिनिधियों की तुलना में अधिक शक्ति प्राप्त है। संघीय स्तर पर, नागरिक संविधान में परिवर्तन का प्रस्ताव कर सकते हैं या संसद द्वारा पारित किसी भी कानून पर जनमत संग्रह कराने की मांग कर सकते हैं। इस शासन प्रणाली को किस नाम से जाना जाता है?

A. अभिजाततंत्र

B. प्रत्यक्ष लोकतंत्र

C. संवैधानिक राजतंत्र

D. प्रतिनिधि लोकतंत्र

(प्रथम प्रश्न का स्रोत: सीबीएसई कक्षा 10, 2022
द्वितीय प्रश्न का स्रोत: ईआई एसेट)

फिल्मों में कभी-कभी साधारण मनुष्यों को विशालकाय प्राणियों के रूप में दिखाया जाता है। यह प्रभाव आसपास की वस्तुओं को अनुपातिक रूप से छोटा बनाकर प्राप्त किया जाता है।

उदाहरण के लिए, यदि किसी 3 फीट लंबे बच्चे को 4 गुना बड़ा (12 फीट लंबा) दिखाना हो, तो आसपास की इमारतों को 4 गुना छोटा बनाया जाता है (जैसे कि 40 फीट की इमारत को 10 फीट के मॉडल के रूप में दिखाया जाएगा)।

3 फीट लंबे बच्चे को 27 फीट लंबा दिखाने के लिए, 36 फीट की इमारत को दिखाने के लिए उपयोग किए जाने वाले मॉडल का आकार कितना होना चाहिए? गणना दिखाएँ।

(स्रोत: ईआई एसेट)

योग्यता-आधारित प्रश्न अन्य प्रश्नों से कैसे अलग हैं और क्या वे सभी मौजूदा प्रश्नों को बदल देंगे?

आप योग्यता-आधारित प्रश्नों को ऐसे अच्छे प्रश्नों के रूप में सोच सकते हैं जो यह जाँचने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं कि आप किसी विषय को कितनी अच्छी तरह समझते हैं। ये प्रश्न स्पष्ट, त्रुटि-रहित होते हैं और अक्सर वास्तविक जीवन के उदाहरणों या अपरिचित प्रकार के प्रश्नों का उपयोग करते हैं। ये प्रश्न आपको सोचने और स्कूल में सिखाए गए महत्वपूर्ण विचारों को समझने के लिए नए तरीके तलाशने को प्रेरित करते हैं। ये यह पहचानने में भी मदद करते हैं कि आप किसी विषय के कौन से भाग को अच्छी तरह समझते हैं और कहाँ पर आपकी समझ में कोई कमी हो सकती है।

हालांकि, मूल्यांकन में मौजूदा प्रकार के अच्छे प्रश्नों का उपयोग जारी रहेगा, लेकिन योग्यता-आधारित प्रश्न मूल्यांकन की शक्ति को और बढ़ाएंगे ताकि छात्रों के अधिगम स्तरों को बेहतर तरीके से समझा जा सके!

याद रखें: इन बदलावों को लेकर घबराएँ नहीं! ये नए प्रकार के प्रश्न शुरुआत में चुनौतीपूर्ण लग सकते हैं, लेकिन ये आपकी मदद कर रहे हैं:

गहरी समझ विकसित करने में

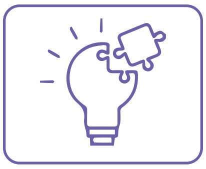

वास्तविक जीवन की समस्याओं को हल करने के कौशल बनाने में

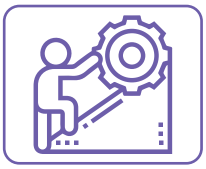

भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार होने में

रचनात्मक और आलोचनात्मक रूप से सोचने में

समग्र रूप से एक बेहतर शिक्षार्थी बनने में

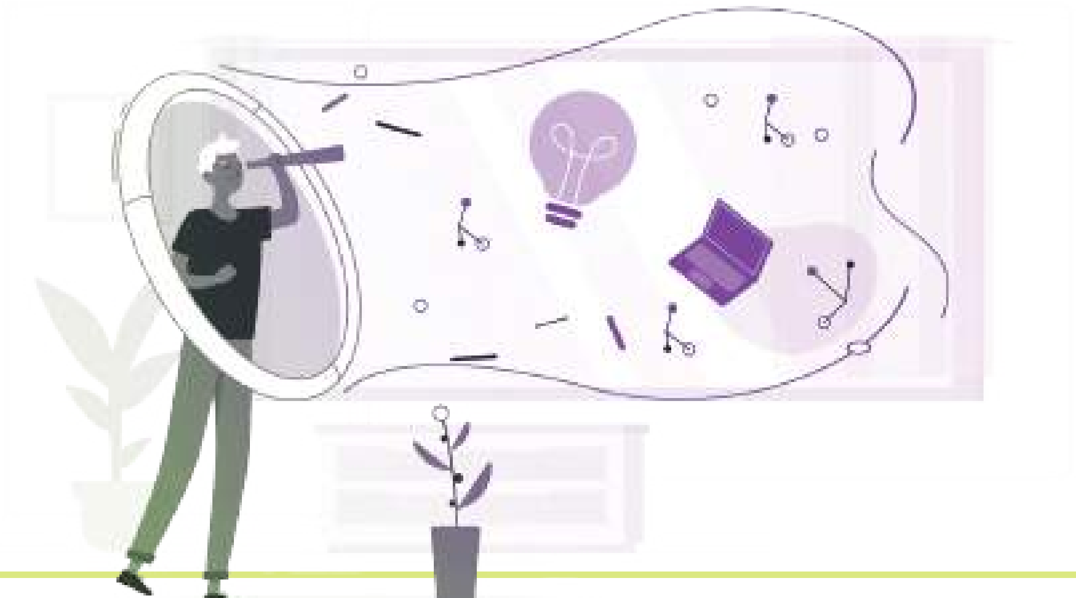

इनका उद्देश्य परीक्षाओं को कठिन बनाना नहीं है - बल्कि आपके सीखने को अधिक सार्थक और वास्तविक जीवन के लिए उपयोगी बनाना है। जब आप इन प्रश्नों का सामना करें, तो केवल यह न सोचें कि उत्तर क्या है, बल्कि यह सोचें कि वह उत्तर क्यों है। यही वह सोचने का तरीका है जो न केवल परीक्षाओं में बल्कि जीवन में जो भी आप करना चुनें, उसमें आपकी सफलता सुनिश्चित करेगा।

इसे इस तरह सोचें: क्या आप केवल तैराकी के बारे में तथ्य दोहराना चाहेंगे, या वास्तव में तैरना सीखना चाहेंगे? ये प्रश्न आपको ज्ञान के सागर में "तैरना" सिखा रहे हैं, न कि केवल इसके बारे में तथ्य याद करने के लिए।

क्या आप इन नए प्रकार के प्रश्नों का सामना करने के लिए तैयार हैं? याद रखें, हर बार जब आप किसी कठिन प्रश्न को हल करते हैं, तो आप केवल परीक्षा की तैयारी नहीं कर रहे होते, बल्कि ऐसे कौशल विकसित कर रहे होते हैं जो आपके जीवन में आपकी मदद करेंगे। शुभकामनाएँ!

योग्यता-आधारित प्रश्नों के लिए कैसे तैयारी करें और तैयार रहें: छात्रों के लिए एक व्यावहारिक मार्गदर्शिका

यह स्वाभाविक है कि नई चीजों को लेकर एक घबराहट महसूस होती है, खासकर जब हमें इसका सामना परीक्षा जैसी स्थिति में करना हो। इसलिए, यदि आप थोड़ा घबराए हुए महसूस कर रहे हैं, तो यह बिल्कुल ठीक है। चिंता न करें - आप अकेले नहीं हैं। जब छात्र पहली बार यह सुनते हैं कि उन्हें कैसे परखा जाएगा, तो कई छात्र चिंतित महसूस करते हैं। लेकिन यह अच्छी खबर है कि एक बार जब आप समझ लेते हैं कि ये प्रश्न वास्तव में क्या हैं, तो आपको ये शायद उतने डरावने नहीं लगेंगे और हो सकता है कि ये पारंपरिक परीक्षा प्रश्नों की तुलना में अधिक रोचक लगें।

योग्यता-आधारित प्रश्नों के बारे में हमने क्या समझा और आपको इनसे क्यों नहीं डरना चाहिए

बदलाव डरावना हो सकता है, लेकिन यहाँ योग्यता-आधारित प्रश्न वास्तव में बेहतर क्यों हो सकते हैं। जैसा कि हमने पिछले भागों में समझा है, योग्यता-आधारित प्रश्न तथ्यों को याद करने, परिभाषाएँ रटने, या उत्तरों को शब्दशः दोहराने के बारे में नहीं हैं। इसके बजाय, ये इस बारे में हैं कि आप जो कुछ भी सीखते हैं उसे आप कितनी अच्छी तरह समझते हैं और उसका उपयोग कर सकते हैं। इन प्रश्नों के पुराने प्रकार के प्रश्नों की तुलना में अधिक उपयोगी और बेहतर होने के कुछ कारण यह हैं -

1. याद करने का कम दबाव

हर एक तथ्य को रातभर जागकर याद करने की कोशिश करने के बजाय, आप वास्तव में अवधारणाओं को समझने पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। एक बार जब आप किसी चीज़ को समझ लेते हैं, तो आप इसे अलग-अलग परिस्थितियों में लागू कर सकते हैं—यही इन प्रश्नों का उद्देश्य है। और यह समझ जो आप विकसित करेंगे, आपके लिए जीवन भर उपयोगी हो सकती है।

2. सोचने के लिए अधिक अवसर

इनमें से कई प्रश्नों को हल करने का सिर्फ एक "सही" तरीका नहीं हो सकता। आप अपनी तर्कशक्ति और दृष्टिकोण का उपयोग कर सकते हैं, बशर्ते आप अपनी सोच को समझा सकें। इसका मतलब है कि आप अपनी क्षमताओं का पूरा उपयोग कर सकते हैं!

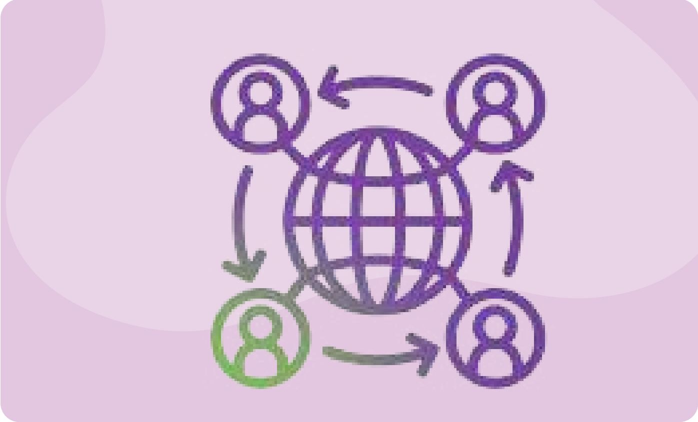

2. वास्तविक जीवन से जुड़ाव

इन प्रश्नों में दिए गए परिदृश्य अक्सर वास्तविक जीवन से जुड़े होते हैं, जिससे यह सामग्री अधिक रोचक और याद रखने में आसान हो जाती है। साथ ही, आप ऐसे कौशल सीख रहे हैं जो आप वास्तव में जीवन में बाद में उपयोग करेंगे।

यह जानना और याद रखना महत्वपूर्ण है:

आप जो विषय और विषय-वस्तु पढ़ रहे हैं, वे नहीं बदल रहे हैं।

सभी प्रश्न योग्यता-आधारित नहीं होंगे।

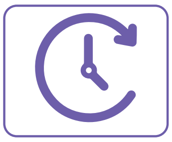

यह बदलाव धीरे-धीरे हो रहा है - आपको इसकी आदत होने में पर्याप्त समय मिलेगा।

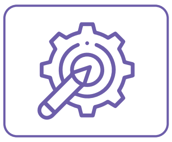

इस बदलाव के लिए आपकी तैयारी में मदद करने के लिए विभिन्न संसाधन उपलब्ध कराए जाएँगे।

आपको असल में ये प्रश्न अधिक रोचक लग सकते हैं क्योंकि ये वास्तविक जीवन से जुड़े हुए हैं।

योग्यता-आधारित प्रश्नों की तैयारी में आपकी मदद करने वाले व्यावहारिक सुझाव

1. अपनी अध्ययन शैली में बदलाव करें

सिर्फ अपनी पाठ्यपुस्तक को बार-बार पढ़ने के बजाय, इन रणनीतियों को आज़माएँ:

पढ़ाई के दौरान खुद से “क्यों” और “कैसे” के प्रश्न पूछें।

जो कुछ आप सीख रहे हैं, उसके वास्तविक जीवन के उदाहरण खोजें।

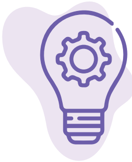

अवधारणाओं का उपयोग करते हुए अपने खुद के उदाहरण और परिदृश्य बनाएँ।

2. सक्रिय सीखने का अभ्यास करें

जब आप कक्षा में हों:

केवल नोट्स लेने तक सीमित न रहें - यह सोचने की कोशिश करें कि जो आप सीख रहे हैं, उसे कैसे लागू किया जा सकता है।

यह पूछें कि अवधारणाएँ वास्तविक परिस्थितियों से कैसे जुड़ी हैं।

कक्षा की चर्चाओं में भाग लें - विभिन्न दृष्टिकोणों को सुनने से आपकी समझ गहरी होती है।

3. “किसी और को समझाएँ” विधि का उपयोग करें

यह जाँचने के लिए कि क्या आप वास्तव में किसी चीज़ को समझते हैं, सबसे अच्छा तरीका है इसे किसी और को समझाना। कोशिश करें:

अवधारणा को एक सहपाठी को सिखाने की।

इसे परिवार के किसी ऐसे सदस्य को समझाने की, जो उस विषय को नहीं जानता हो।

इसे समझाते हुए अपनी रिकॉर्डिंग बनाने की।

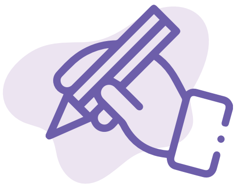

इसे इस तरह लिखने की, जैसे आप इसे किसी दोस्त को समझा रहे हों।

4. अभ्यास प्रश्नों को छोटे भागों में विभाजित करें

जब आप किसी योग्यता-आधारित प्रश्न पर काम कर रहे हों:

1 सबसे पहले, स्थिति को ध्यानपूर्वक पढ़ें।

2 पहचानें कि यह कौन-सी अवधारणा या विषय का परीक्षण कर रहा है।

3 यह सोचें कि इसे हल करने के लिए आपको किस जानकारी की आवश्यकता है।

4 लिखना शुरू करने से पहले अपने दृष्टिकोण की योजना बनाएँ।

5 अपने तर्क को समझाते हुए आगे बढ़ें।

परीक्षा की घबराहट से कैसे निपटें

इन प्रश्नों को लेकर घबराहट महसूस करना, खासकर शुरुआत में, पूरी तरह से सामान्य है। यहाँ कुछ रणनीतियाँ दी गई हैं जो मदद कर सकती हैं:

परीक्षा से पहले

- समान प्रकार के प्रश्नों के साथ नियमित अभ्यास करें - परिचित होने से घबराहट कम हो जाती है।
- दोस्तों के साथ अध्ययन करें और समस्याओं को हल करने के लिए विभिन्न दृष्टिकोणों पर चर्चा करें।
- अपनी सोचने की प्रक्रिया को समझाने में सहज बनें।
- याद रखें कि आपको निपुण होने की आवश्यकता नहीं है - अपने समझ को प्रदर्शित करने पर ध्यान दें।

परीक्षा के दौरान

- यदि आप घबराहट महसूस करने लगें, तो गहरी सांसें लें।
- प्रत्येक प्रश्न को दो बार पढ़ें ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि आप समझ गए हैं कि वह क्या पूछ रहा है।
- उन प्रश्नों से शुरू करें जिनके बारे में आप सबसे अधिक आश्वस्त महसूस करते हैं।
- याद रखें कि आप शायद जितना सोचते हैं उससे अधिक जानते हैं।
- यदि आप फंस जाएँ, तो जो आप जानते हैं उसे लिखें और वहाँ से आगे बढ़ें।

अभ्यास के अवसरों का अधिकतम उपयोग करना

आपके शिक्षक आपको इन प्रश्नों का अभ्यास करने के लिए संभवतः कई अवसर देंगे। यहाँ बताया गया है कि आप उनका सर्वोत्तम उपयोग कैसे कर सकते हैं।

1. आसान चीजों को न छोड़ें

यदि कोई अभ्यास प्रश्न सरल लगता है, तो भी उसे हल करें! यह आपकी सोच को समझाने का अच्छा अभ्यास है, जो कि योग्यता-आधारित प्रश्नों के लिए एक महत्वपूर्ण कौशल है।

2. सुनिश्चित करें कि आप अपनी गलतियों से सीखें

जब आप कोई गलती करें, तो केवल सही उत्तर न देखें। यह समझने की कोशिश करें:

आपकी सोच कहाँ गलत हुई?

आप इस गलती से क्या सीख सकते हैं?

अगली बार इसी तरह के प्रश्न को आप कैसे हल करेंगे?

3. प्रतिक्रिया का प्रभावी उपयोग करें

जब शिक्षक आपको प्रतिक्रिया दें:

केवल सही उत्तर पर नहीं, बल्कि आपके तर्क पर की गई टिप्पणियों पर ध्यान दें।

यदि आपको कुछ समझ में नहीं आता है, तो प्रश्न पूछें।

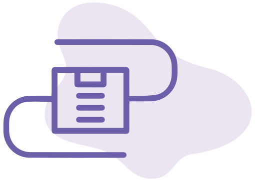

प्रतिक्रिया के पैटर्न पर नज़र रखें ताकि आप यह पहचान सकें कि किन क्षेत्रों में आपको अधिक अभ्यास की आवश्यकता हो सकती है।

याद रखें: आप यह कर सकते हैं!

योग्यता-आधारित प्रश्नों की ओर बदलाव शुरुआत में चुनौतीपूर्ण लग सकता है, लेकिन याद रखें:

घबराहट महसूस करना सामान्य है, और आप अकेले नहीं हैं।

आपके शिक्षक आपकी सफलता चाहते हैं और आपकी मदद के लिए हमेशा तैयार हैं।

ये प्रश्न वास्तव में आपकी समझ का परीक्षण कर रहे हैं, न कि आपकी याददाश्त का।

आप शायद जितना सोचते हैं उससे अधिक जानते हैं।

अभ्यास के साथ, ये प्रश्न आपको अधिक परिचित और कम डरावने लगने लगेंगे।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इस नए तरीके से सोचने के लिए खुद के साथ धैर्य रखें। तथ्यों को याद करने के बजाय अवधारणाओं को गहराई से समझने पर ध्यान दें, और जब भी आवश्यकता हो, मदद माँगने से न डरें। समय और अभ्यास के साथ, आपको यह भी महसूस हो सकता है कि आपको इस प्रकार के प्रश्न अधिक पसंद हैं क्योंकि ये आपको यह दिखाने का अवसर देते हैं कि आप वास्तव में क्या जानते और समझते हैं।

याद रखें कि यह बदलाव धीरे-धीरे हो रहा है, इसलिए आपके पास इसे अपनाने और सुधारने का समय है। जिज्ञासु बने रहें, अभ्यास करते रहें, और यह याद रखें कि गलतियाँ करना सीखने की प्रक्रिया का हिस्सा है। आप यह कर सकते हैं!

योग्यता-आधारित प्रश्नों को समझना: अभिभावकों के लिए एक मार्गदर्शिका

प्रिय अभिभावकों,

आपने सुना होगा कि परीक्षाएँ अब योग्यता-आधारित प्रश्नों की ओर बढ़ रही हैं और इससे आप थोड़ा चिंतित महसूस कर सकते हैं। आप अकेले नहीं हैं। कई अभिभावकों के मन में इस बदलाव और इसके बच्चों की शिक्षा पर पड़ने वाले प्रभाव को लेकर सवाल हैं। इस मार्गदर्शिका के पहले भाग आपको यह समझने में मदद करेंगे कि योग्यता-आधारित प्रश्न क्या हैं, वे क्यों लाभकारी हैं, और इस बदलाव के दौरान आपका बच्चा कैसे तैयारी कर सकता है।

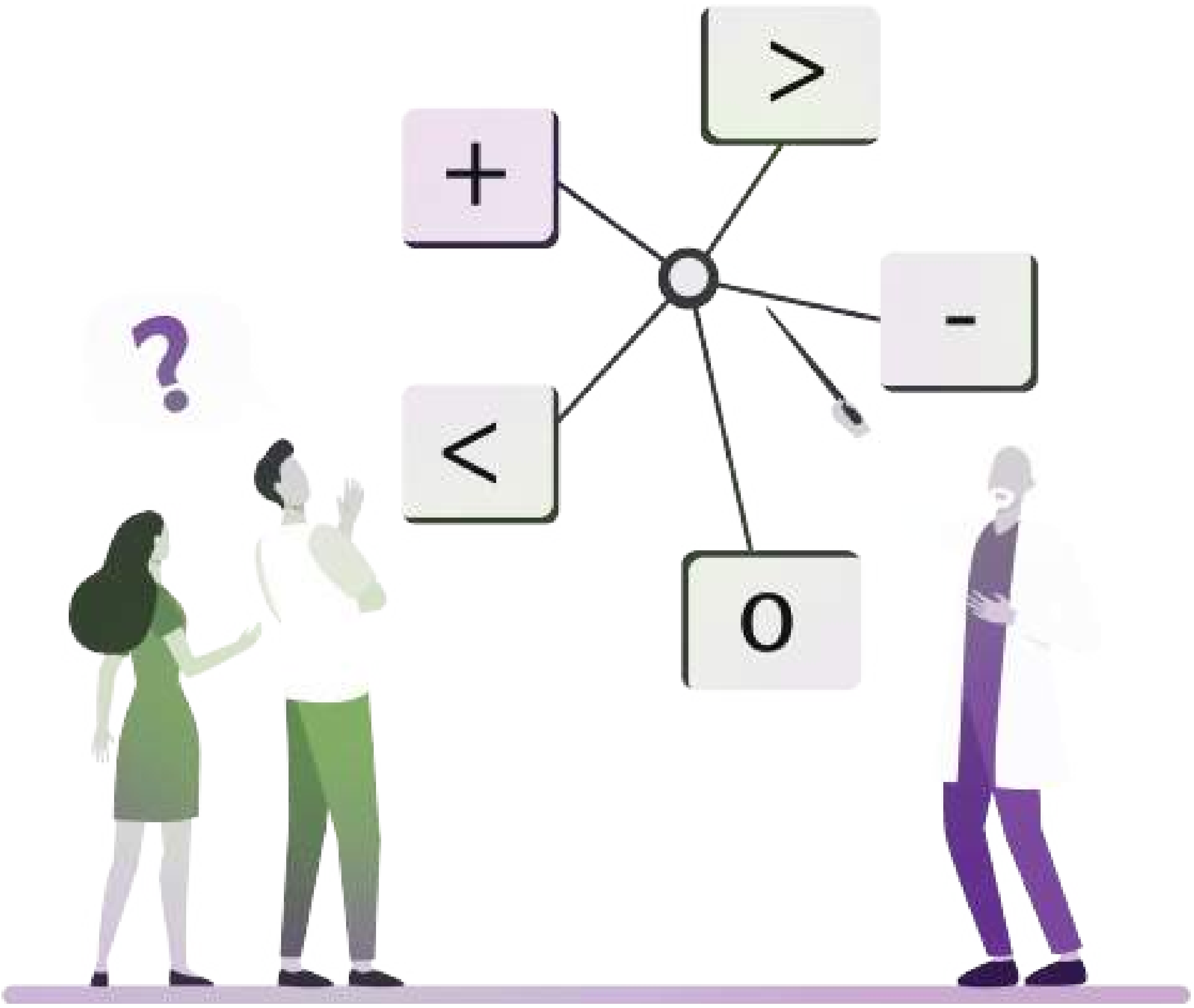

आपकी सामान्य चिंताएँ

यहाँ कुछ सामान्य चिंताएँ दी गई हैं जो हमने देखी हैं। हमने उनका समाधान प्रदान करने की कोशिश की है।

“क्या मेरे बच्चे के अंक कम हो जाएँगे?”

यह शायद अभिभावकों की सबसे आम चिंता है। याद रखें:

- यह बदलाव धीरे-धीरे हो रहा है।
- शिक्षकों को छात्रों को इस बदलाव के अनुरूप ढालने के लिए प्रशिक्षित किया गया है।
- इस दृष्टिकोण से आपके बच्चे की समझ वास्तव में बेहतर हो सकती है।
- एक बार जब छात्र इस बदलाव को अपना लेते हैं, तो उनके अंक अक्सर स्थिर हो जाते हैं या बढ़ जाते हैं।

“अगर मैं खुद इन प्रश्नों को नहीं समझता/समझती, तो मैं कैसे मदद कर सकता/सकती हूँ?”

आपको विशेषज्ञ होने की ज़रूरत नहीं है! आप इन तरीकों से मदद कर सकते हैं:

- घर पर आलोचनात्मक सोच को प्रोत्साहित करना।
- अपने बच्चे से अवधारणाओं को आपको समझाने के लिए कहना।
- जो वे सीख रहे हैं, उसके वास्तविक जीवन में उपयोगों पर चर्चा करना।
- शिक्षकों के साथ खुला संवाद बनाए रखें।

“क्या यह सिर्फ एक और शैक्षणिक चलन है?” नहीं - यह बदलाव दर्शाता है:

- प्रभावी अधिगम पर वर्तमान शोध।
- कार्यस्थल क्या हैं और भविष्य में क्या मांग होगी।।
- उच्च शिक्षा की आवश्यकताएँ।
- अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक सर्वोत्तम प्रथाएँ।

आप अपने बच्चे का समर्थन कैसे कर सकते हैं

1. सोचने के विभिन्न तरीकों को प्रोत्साहित करें यदि आप किसी विषय/टॉपिक पर अपने बच्चे के साथ समय बिता रहे हैं:

- "क्यों?" और "कैसे?" जैसे प्रश्न पूछें।
- समस्याओं के अलग-अलग दृष्टिकोणों पर चर्चा करें।
- रचनात्मक समाधानों की पुष्टि करें।
- उन्हें रोज़मर्रा की ज़िंदगी से जुड़ाव दिखाने में मदद करें।

2. एक सहायक अधिगम वातावरण बनाएँ

- केवल अंकों की नहीं, बल्कि प्रयास और समझ की सराहना करें।
- प्रश्न पूछने और जिज्ञासा को प्रोत्साहित करें।
- उन्हें यह समझने में मदद करें कि गलतियाँ सीखने के अवसर हैं।
- इन बदलावों के प्रति सकारात्मक रहें।

3. घर पर मदद करने के व्यावहारिक तरीके

- उनके विषयों से संबंधित समाचार लेखों पर चर्चा करें।
- उनसे अवधारणाओं को अपने शब्दों में समझाने के लिए कहें।
- स्कूल के विषयों को पारिवारिक गतिविधियों से जोड़ें।
- जो वे सीख रहे हैं, उसके वास्तविक जीवन के उदाहरण खोजने में उनकी मदद करें।

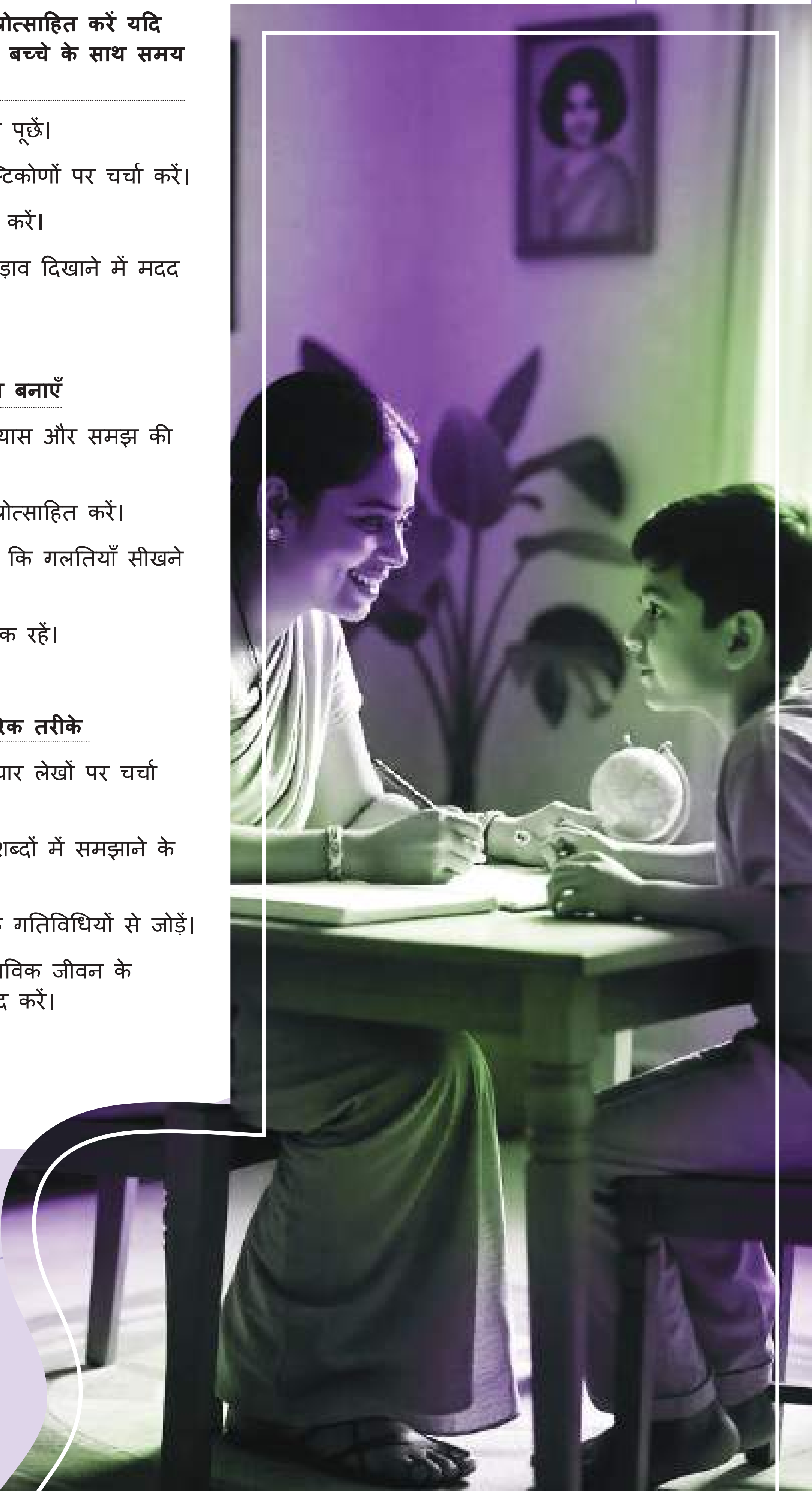

शिक्षकों के साथ सहयोग

इस बदलाव के दौरान शिक्षकों के साथ आपका सहयोग अत्यंत महत्वपूर्ण है। यहाँ बताया गया है कि आप इसका अधिकतम लाभ कैसे उठा सकते हैं:

1. सूचित रहें

- अभिभावक सूचना सत्रों में भाग लें।
- बदलावों के बारे में स्कूल से मिलने वाले संचार को पढ़ें।
- जब भी कोई संदेह हो, प्रश्न पूछें।

2. नियमित संवाद बनाए रखें

- अपने बच्चे की प्रगति के बारे में अपने अवलोकन साझा करें।
- किसी भी चिंता पर पहले ही चर्चा करें।
- योग्यता-आधारित प्रश्नों के उदाहरण माँगें।

3. रचनात्मक प्रतिक्रिया दें

- जो अच्छी तरह से काम कर रहा है, उसे साझा करें।
- अपनी चिंताओं को रचनात्मक तरीके से व्यक्त करें।
- सुझाव दें कि स्कूल अभिभावकों को बेहतर समर्थन कैसे दे सकता है।

बड़ा दृष्टिकोण

याद रखें कि योग्यता-आधारित प्रश्न आपके बच्चे को वास्तविक दुनिया में सफलता के लिए तैयार करने के लिए तैयार किए गए हैं। आज के तेजी से बदलते माहौल में, आलोचनात्मक सोचने और ज्ञान को लागू करने की क्षमता पहले से कहीं अधिक मूल्यवान है। ये कौशल आपके बच्चे की इन क्षेत्रों में मदद करेंगे:

- उच्च शिक्षा
- भविष्य के करियर
- दैनिक जीवन में समस्या-समाधान
- नई परिस्थितियों के साथ सामंजस्य बैठाना

प्रक्रिया पर विश्वास करें: शैक्षिक परिवर्तन सावधानीपूर्वक योजना बनाकर लागू किए जाते हैं।

धैर्य रखें: आपको और आपके बच्चे को इस बदलाव के अनुकूल होने में समय लगेगा।

सकारात्मक रहें: आपका दृष्टिकोण आपके बच्चे के अनुकूलन को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित कर सकता है।

परिप्रेक्ष्य बनाए रखें: ये बदलाव आपके बच्चे की दीर्घकालिक सफलता के लिए बनाए गए हैं।

याद रखें, इस बदलाव में आप अकेले नहीं हैं। शिक्षक, स्कूल प्रशासन, और अन्य अभिभावक अपने बच्चों के साथ मिलकर यह सुनिश्चित करने के लिए काम कर रहे हैं कि हमारे बच्चे सफल हों। योग्यता-आधारित प्रश्नों की ओर बदलाव शुरुआत में चुनौतीपूर्ण लग सकता है, लेकिन यह हमारे बच्चों को उनके भविष्य के लिए बेहतर तरीके से तैयार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

यदि आपको कोई विशेष चिंता या प्रश्न हैं, तो अपने बच्चे के शिक्षकों या स्कूल प्रशासन से संपर्क करने में संकोच न करें। वे इस बदलाव के दौरान आपके और आपके बच्चे दोनों का समर्थन करने के लिए हैं।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि सकारात्मक दृष्टिकोण बनाए रखें और अपने बच्चे को दिखाएँ कि आप उनके सीखने की यात्रा का समर्थन करते हैं। समय और अभ्यास के साथ, आप और आपका बच्चा दोनों इस नए सीखने और मूल्यांकन के तरीके से अधिक सहज हो जाएंगे।

योग्यता-आधारित मूल्यांकनों के साथ आगे बढ़ना: छात्रों के लिए एक संदेश

प्रिय छात्र,

जैसा कि हम योग्यता-आधारित प्रश्नों पर अपनी चर्चा को समाप्त कर रहे हैं, आइए समझें कि इसका आपके लिए क्या मतलब है।

इस बदलाव को चुनौती के बजाय एक रोमांचक अवसर के रूप में देखें। तथ्यों को रटने के बजाय, जिन्हें आप परीक्षा के बाद भूल सकते हैं, आप आलोचनात्मक रूप से सोचना और वास्तविक समस्याओं को हल करना सीख रहे हैं। यह ऐसा है जैसे एक साधारण फोन से स्मार्टफोन में अपग्रेड करना - अब आपके पास अपने ज्ञान को दिखाने के लिए और भी शक्तिशाली उपकरण होंगे!

इस बदलाव को खास बनाता है यह तथ्य कि आप रटने में कम समय बिताएँगे और समझने में अधिक समय देंगे। जो आप सीखेंगे, वह सीधे वास्तविक जीवन से जुड़ा होगा। आपको अपने ज्ञान को अलग-अलग तरीकों से दिखाने का अवसर मिलेगा। और जो कौशल आप विकसित करेंगे, वे हाई स्कूल, कॉलेज और आपके भविष्य के करियर में आपकी मदद करेंगे।

याद रखें, यह बदलाव धीरे-धीरे हो रहा है। आपके शिक्षक आपको इस बदलाव के साथ सामंजस्य बिठाने में मदद करने के लिए हैं, और आपको एक ही बार में सबकुछ सीखने की ज़रूरत नहीं है। हर बार जब आप एक योग्यता-आधारित प्रश्न को हल करते हैं, तो आप मूल्यवान कौशल विकसित कर रहे होते हैं, जो आपके भविष्य में आपके काम आएँगे।

जिज्ञासु बने रहें, प्रश्न पूछते रहें, और याद रखें - आप यह कर सकते हैं!

योग्यता-आधारित मूल्यांकनों के साथ आगे बढ़ना: अभिभावकों के लिए एक संदेश

प्रिय अभिभावकों,

जैसा कि हम योग्यता-आधारित मूल्यांकनों की ओर बदलाव पर अपनी चर्चा को समाप्त कर रहे हैं, हम इस बात पर जोर देना चाहते हैं कि यह बदलाव आपके बच्चे की शिक्षा के सफर में एक महत्वपूर्ण कदम है।

यह नया दृष्टिकोण रटने के बजाय गहरी समझ पर केंद्रित है। आपके बच्चे जो कौशल योग्यता-आधारित मूल्यांकनों के माध्यम से विकसित करेंगे, वे वही हैं जो उच्च शिक्षा और भविष्य के करियर में सफलता के लिए आवश्यक हैं। इसमें ज्ञान का व्यावहारिक उपयोग, आलोचनात्मक सोच कौशल का विकास, और वास्तविक जीवन की समस्याओं को हल करने की क्षमता शामिल होगी।

हम समझते हैं कि बदलाव चिंता का कारण हो सकता है, लेकिन विश्वास रखें कि यह बदलाव धीरे-धीरे और सोच-समझकर लागू किया जा रहा है। आपके बच्चे के शिक्षक इस प्रक्रिया में छात्रों को मार्गदर्शन देने के लिए प्रशिक्षित हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि वे नए प्रारूप के साथ आत्मविश्वास और योग्यता दोनों विकसित करें।

इस बदलाव में आपकी भूमिका अमूल्य है। शिक्षकों के साथ खुला संवाद बनाए रखने और अपने बच्चे के रटने के बजाय समझने के प्रयासों को प्रोत्साहित करके, आप एक ऐसा वातावरण तैयार करने में मदद करते हैं जहाँ गहन अधिगम पनप सकता है।

याद रखें, यह केवल मूल्यांकन के तरीकों में बदलाव नहीं है - यह आपके बच्चे की भविष्य की सफलता में एक निवेश है। मिलकर, हम अपने छात्रों को बदलती दुनिया में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए आवश्यक कौशल विकसित करने में मदद कर सकते हैं।

इस महत्वपूर्ण शैक्षिक यात्रा में आपके समर्थन और साझेदारी के लिए धन्यवाद।

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड